अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक/तकनीकी संगोष्ठी

विश्व की प्रगति में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का योगदान

सितम्बर/अक्तूबर 2013

प्रधान संरक्षक

डॉ वी के सारस्वत
रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, सचिव, रक्षा अनुसंधान तथा विकास एवं महानिदेशक, रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन

मुख्य संरक्षक

डॉ के डी नायक
विशिष्ट वैज्ञानिक, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (एम ई डी, एम आई एस टी, तथा साइबर प्रणाली)

आयोजन समिति

डॉ पी के सक्सेना
निदेशक, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी), दिल्ली

डॉ अनिल कुमार मैनी
निदेशक, लेजर विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केंद्र (लेसटेक), दिल्ली

श्री जी एस मलिक
निदेशक, पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली

श्री सुरेश कुमार जिंदल
निदेशक, रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केन्द्र (डेसीडॉक), दिल्ली

डॉ एस एम वीरभद्रप्पा
निदेशक, रक्षा भू–भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डी टी आर एल), दिल्ली

श्री राजेश गोयल
निदेशक, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केन्द्र (सेपटेम), दिल्ली

श्री सुनील शर्मा
निदेशक, राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय डी आर डी ओ मुख्यालय, नई दिल्ली

उद्देश्य

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व की प्राचीनकाल की उपलब्धियों से लेकर इस शताब्दी में प्राप्त महान सफलताओं की एक लम्बी और अनूठी परंपरा रही है। प्राचीन विश्व में विज्ञान, गणित, खगोल शास्त्र और दर्शन शास्त्र का अद्वितीय विकास हुआ। विश्व कणाद, कपिल, भारद्वाज, नागार्जुन, चरक, सुश्रुत, वराहमिहिर, आर्यभट, गैलीलियो, आर्किमिडीज, अरस्तू, और भास्कराचार्य जैसे वैज्ञानिकों की जन्मभूमि और कर्मभूमि रहा है। इन वैज्ञानिकों ने गणित, ज्योतिष, चिकित्सा शास्त्र, रसायन शास्त्र, खगोल शास्त्र, दर्शन शास्त्र, इत्यादि क्षेत्रों में अभूतपूर्व योगदान दिया। कालांतर में विश्व भर में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन आया।

परम्परागत कुशलताओं को परिष्कृत करके तर्कसंगत एवं स्पर्द्धात्मक बनाने और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के अग्र क्षेत्रों में अग्रिम क्षमताओं का विकास करने के प्रयास होते रहे।

विश्व में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नति लाने वाले दृष्टिवेभाओं को विश्वास था कि विश्व को आधुनिक, औद्योगिक समाज बनाने में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। अनुभव और परिणाम से यह सिद्ध हो गया है कि उनका विश्वास बिल्कुल ठीक था।

आज विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी एवं नई प्रक्रियाएं और भी प्रासंगिक प्रतीत होती हैं। वैज्ञानिक ज्ञान और अनुभव, प्रौद्योगिकी, नई प्रक्रियाएं, उच्च प्रौद्योगिकीय औद्योगिक संरचना और कुशल कार्यबल इस नए युग की संपत्ति हैं। आज के विश्व में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी आर्थिक प्रगति और विकास के महत्वपूर्ण वाहक हैं। भारतीय विज्ञान के लिए वर्तमान स्थिति अति महत्वपूर्ण है और यदि सकारात्मक बड़े तथा ठोस कदम इस क्षेत्र में उठाएं जाएं तो भविष्य में देश स्थायी और तीव्र प्रगति कर सकता है।

आज के युग में अनेक खोज एवं अन्वेषण कार्य चल रहे हैं जिनसे मानव को प्रकृति को समझने में मदद मिल रही है तथा इस ज्ञान के उपयोग से नित नये संसाधनों की रचना हो रही है। इन संसाधनों से मानवीय कार्य को दक्षता एवं सुविधाजनक रूप से पूर्ण करने में मदद मिल रही है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, अकादमीविदों, तथा राजभाषाविदों को अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में हो रहे नवीन अनुसंधानों एवं विकासों से आमजन को अवगत कराने के लिए मंच प्रदान करना है।

संगोष्ठी में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की किसी भी शाखा, मानव संसाधन तथा राजभाषा से संबंधित विषयों पर आलेख आमंत्रित हैं।

लेख तैयार करने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश

ए–4 आकार के कागज में चारों ओर एक इंच का हासिया देकर लेख टाइप होना चाहिए। लेख में अनुसंधान एवं विकास के कार्य का सिद्धांत प्रस्तावना में देते हुए, कार्य का विवरण, महत्वपूर्ण परिणाम व उपयोगिताएं, तथा अंत में निष्कर्ष, संदर्भ, इत्यादि लिखा जाना अपेक्षित होगा।

लेख की भाषा सरल हिन्दी हो तथा ऐसे वैज्ञानिक / तकनीकी शब्दों को प्रयोग करने का प्रयास किया जाए जिससे लेख रोचक व बोधगम्य बनें। इससे लेखों से संकलित स्मारिका, विज्ञान का हिन्दी में प्रसार करने में सहायक सिद्ध होगी। लेख में परिणामों से संबंधित ग्राफ व चित्र 300 डी पी आई रिजोल्यूशन के साथ टिफ फॉर्मेट में यथासंभव प्रस्तुत किए जाएं। लेख तैयार करने के आवश्यक दिशा–निर्देश इस प्रकार हैं:

(1) सभी लेख यूनिकोड (मंगल) अथवा कृति देव फॉन्ट में टाइप किए जाएं।

(2) कृपया लेख केवल एम एस वर्ड सॉफ्टवेयर अथवा पेजमेकर में ही टंकित कराएं।

(3) पूर्ण लेख की शब्द सीमा: अधिकतम 2500 शब्द।

(4) कृपया समय अवधि समाप्त होने का इंतजार न करते हुए समय से पूर्व अपना लेख भेजने का कष्ट करें, जिससे हमें संगोष्ठी स्मारिका को समय पर पूरा करने में मदद मिले।

आयोजक प्रयोगशालाएं

कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केन्द्र (सेपटेम), दिल्ली; रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केन्द्र (डेसीडॉक), दिल्ली; रक्षा भू-भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डी टी आर एल), दिल्ली; पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली; लेजर विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केंद्र (लेसटेक), दिल्ली; वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी), दिल्ली

संगोष्ठी स्मारिका

संगोष्ठी में प्रस्तुत किए जाने वाले सभी लेखों को स्वीकृति पश्चात् स्मारिका के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

संगोष्ठी में लेख प्रस्तुती का माध्यम
हिन्दी

संगोष्ठी शुल्क

संगोष्ठी में प्रतिभागिता हेतु कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

विदेशी व्यक्तियों के लिए पूर्ण लेख भेजने की अंतिम तिथि
15 अप्रैल 2013

लेख भेजने हेतु पता

श्री सुरेश कुमार जिंदल
निदेशक
रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केन्द्र (डेसीडॉक), मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054
संपर्क अधिकारी : फूलदीप कुमार, वैज्ञानिक सी, डेसीडॉक, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054
दूरभाष : 011-23902486, 08802944472, 09968761245 फैक्स : 23819151, 23813465
इंटरनेट : director@desidoc.drdo.in, phuldeep@gmail.com

आयोजक
मेटकॉफ हाउस, दिल्ली स्थित सभी प्रयोगशालाएं/स्थापनाएं